नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

दिल्ली के विश्व पुस्तक मेले हिंदी विश्वविद्यालय की किताबें

'गांधी : लेखकों के लेखक' मेले का मुख्य विषय

दुनिया भर की विभिन्न भाषाओं की किताबों का ज्ञानकुंभ

नई दिल्ली, 8 जनवरी 2020: नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा द्वारा प्रकाशित पुस्तकों और पत्रिकाओं का

स्टाल लगाया गया है। हाल संख्या 12 ए में स्टाल संख्या 174 और 175 में विश्वविद्यालय के पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है।

महात्मा गांधी जी के 150वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'गांधी जी : लेखकों के लेखक' यह इस वर्ष के मेले का मुख्य विषय रखा गया है। उधर हाल संख्या 7 ई में गांधी जी के साहित्य पर थिम पेवेलियन बनाया गया है जो इस मेले का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। गांधी जी पर परिसंवाद, चर्चाएं, नाटक , प्रश्नोंत्तरी के साथ अन्य कार्यक्रम इसी जगह हो रहे हैं। गांधी जी पर आधारित फिल्में, डाक्यूमेंट्री दिखाई जा रही हैं और दुर्लभ चित्रों यहाँ प्रदर्शित किया गया है।

मेले में दुनिया भर की अनेक भाषाओं की किताबें पाठकों के लिए उपलब्ध हैं। इस ज्ञान कुंभ में

साहित्यकार, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए लाखों पुस्तकें देखने-खरीदने का अवसर मिल रहा है।

नई दिल्ली में 4 जनवरी से 12 जनवरी तक विश्व पुस्तक मेला चल रहा है जिसमें देश-विदेश के पुस्तक प्रकाशक सम्मिलित हुए हैं।राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से आयोजित भव्य

मेले में गांधी साहित्य से संबंधित अनेक पुस्तकों को रखा गया है जो इस मेले का मुख्य आकर्षण भी है। विश्वविद्यालय की ओर से भी 'मेरी कहानी, गांधी की कहानी गांधी की जुबानी', गांधी दृष्टि, गांधी चेतना, गांधी - दर्शन सामाजिक संदर्भ आदि पुस्तकों को पाठकों के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा हिंदी के प्रतिष्ठित रचनाकारों की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं छवि संग्रह, पत्रिकाओं में बहुवचनपुस्तक वार्ता और एनल्स आफ हिंदी स्टडीज को स्टाल में प्रदर्शित किया गया है।